ट्रैफिक सेंस समझाने IIM का सख्त कदम, बिना हेलमेट कैंपस में एंट्री बैन

ऐसा इनिशिएटिव लेने वाला शहर का संभवतः पहला इंस्टीट्यूट है आईआईएम

हेलमेट न पहनने वाले स्टूडेंट्स और स्टाफ को बाइक कैंपस के बाहर खड़ी करने पर ही मिलती है अंदर जाने की परमिशन

अनुराग सिंह | रायपुर

स्टूडेंट्स में ट्रैफिक सेंस डेवलप करने और रोड एक्सीडेंट रोकने के मकसद से आईआईएम ने सख्त कदम उठाया है। बिना हेलमेट बाइक ड्राइव करने वाले किसी भी स्टूडेंट्स, प्रोफेसर्स या अन्य स्टाफ को कैंपस में एंट्री बैन कर दी गई है। बिना हेलमेट बाइक ड्राइव करने वालों को बाइक कैंपस के बाहर खड़े करने पर ही एंट्री दी जाती है। 200 एकड़ में फैले कैंपस के एंट्रेंस गेट से आईआईएम की मेन बिल्डिंग की दूरी लगभग 500 मीटर है। हॉस्टल, लाइब्रेरी की दूरी इससे भी ज्यादा है। यानी हेलमेट न पहनने पर स्टूडेंट्स को लगभग 500 मीटर पैदल चलना पड़ता है। आईआईएम संभवतः शहर का पहला ऐसा इंस्टीट्यूट है, जहां इस तरह का इनिशिएटिव लिया गया है। संस्थान के प्रो. जागरूक दावड़ा ने बताया कि ट्रैफिक रूल्स फॉलो करने के लिए अवेयर करने के मकसद से ये डिसीजन लिया गया है। ये स्टूडेंट्स सहित सभी एम्प्लॉयीज के लिए भी कंपल्सरी है। एंट्रेंस गेट पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी भी की जाती है। पहल का असर भी दिखने लगा है। ज्यादातर स्टूडेंट्स व स्टाफ हेलमेट पहनकर कैंपस पहुंचते हैं।

हेलमेट न पहनने पर कैंपस के बाहर खड़ी स्टूडेंट्स और स्टाफ की बाइक।

कैंपस में रखेंगे साइकल, स्टूडेंट्स चला सकेंगे फ्री में

प्रो. दावड़ा ने बताया कि आईआईएम को ग्रीन कैंपस की तर्ज पर डेवलप करने की दिशा में काम किया जा रहा है। आने वाले दिनों में कैंपस के अलग-अलग एरियाज में साइकिल स्टैंड बनाए जाएंगे। जहां कोई भी स्टूडेंट अपना आईडी कार्ड स्कैन करके साइकिल इश्यू कर सकेगा। साइकिल का कोई रेंट भी नहीं देना होगा। ये पहल न सिर्फ एन्वायरमेंट बेहतर रखने में कारगर साबित होगी, बल्कि स्टूडेंट्स साइकिलिंग करके फिट भी रह सकेंगे।

Dainik Bhaskar, 27th April 2019,P.15